पत्र 3

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

इब्रानियों का लेखक अज्ञात है लेकिन हम जानते हैं कि यह पत्र यहूदियों के एक समुदाय के लिए लिखा गया था.
... कुछ लोग जो विश्वास करते थे और कुछ जिन्होंने अभी तक यीशु मसीह पर विश्वास नहीं किया।
पत्री में याजकों के द्वारा परमेश्वर के समीप जाने के पुराने तरीकों और बलिदान के सबसे उत्तम मार्ग की तुलना की गई है। अब विश्वासियों को मसीह के द्वारा परमेश्वर के पास सीधे जा सकते हैं।
परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा स्वप्नों, दर्शनों और यहां तक कि आमने-सामने बातें कीं, परन्तु अब वह अपने पुत्र के द्वारा हमसे बातें करता है।
यीशु स्वर्गदूतों से भी उत्तम है और उसका नाम स्वर्गदूतों के नामों और उपाधियों से भी कहीं अधिक उत्तम है।
उसके स्वर्गदूत आत्मिक-संदेशवाहक हैं जो उद्धार प्राप्त करनेवाले लोगों की सहायता करने के लिए भेजे जाते हैं।

हालाँकि स्वर्गदूतों के वचन सत्य साबित हुए है और लोगों को उनकी आज्ञा नी मानने के कारण दंडित किया गया - हमें क्या लगता है कि अगर हम इस महान उद्धार को तुच्छ समझे तो क्या हम बच सकते हैं?
और यह उचित था कि परमेश्वर, जिसने सब कुछ अपनी महिमा के लिए बनाया है, यीशु को दुख उठाने देता, क्योंकि ऐसा करके वह एक बड़े समूह को स्वर्ग की ओर ले जा रहा था।
यीशु की पीड़ा ने उसे एक सिद्ध अगुवा बना दिया।
यीशु हमारी तरह मांस और लहू बन गया - क्योंकि सिर्फ मनुष्य के रूप में मरने के द्वारा ही वह शैतान की सत्ता को नष्ट कर सकता था।
वह एक स्वर्गदूत के रूप में नहीं बल्कि एक मनुष्य के रूप में आया था; वह अपने भाइयों की तरह बना, ताकि वह हमारा दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बन सके।
हालाँकि वह स्वयं ही कष्टों और परीक्षाओं में से गुज़रा है, वह जानता है कि जब हम पीड़ित होते हैं और परीक्षा में पड़ते हैं तो क्या होता है, और वह अद्भुत रूप से हमारी सहायता करने में सक्षम है।

जैसे मूसा ने विश्वासयोग्यता से सेवा की, उसी तरह यीशु भी परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहा जिसने उसे महायाजक ठहराया।
लेकिन यीशु की महिमा मूसा से कहीं अधिक है, जिस प्रकार घर बनानेवाले की प्रशंसा उसके घर से भी अधिक होती है।
जब हम उसकी आवाज सुनें, तो ध्यान रखो, कि हमारा मन उसके प्रति कठोर न हो, जैसा कि इस्राएली लोग रेगिस्तान में मर गए, क्योंकि उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया।
परमेश्वर की प्रतिज्ञा अभी भी स्थिर है—वह हमें बचाना चाहता है—ठीक वैसे ही जैसे मूसा के समय में।
लेकिन इस्राएलियों को सन्देश अच्छा नहीं लगा क्योंकि उन्होंने इसे विश्वास के साथ नहीं लिया।
अब परमेश्वर पर भरोसा रखने का समय है - अपने मनों को कठोर मत करो जैसे उन्होंने किया।
क्योंकि परमेश्वर के द्वारा कहा हुआ हर एक वचन दोधारी तलवार से भी ज्यादा तेज होता है, जो हमारे मन के अन्दर के विचारों और भावनाओं को काटता है - हम वास्तव में क्या हैं इसके लिए हमें उजागर करता है।
हालाँकि यीशु हमारा महान महायाजक जो स्वर्ग में गया है और वह हमारी निर्बलताओं को जानता है, इसलिए आओ हम हियाव बांधकर परमेश्वर के सिंहासन के समीप चलें कि दया और अनुग्रह प्राप्त करें।

एक यहूदी महायाजक किसी और की तरह एकमात्र पुरुष ही है, लेकिन उसे अन्य सभी पुरुषों के निमित परमेश्वर से बात करने के लिए चुना गया है।
कोई भी महायाजक इसलिए नहीं होता क्योंकि वह बनना चाहता है, बल्कि उसे परमेश्वर द्वारा बुलाया जाता है।
यही कारण था कि मसीह ने स्वयं को महायाजक होने के सम्मान के लिए नहीं ठहराया, उसे परमेश्वर द्वारा चुना गया था।
परमेश्वर ने उस से कहा, हे मेरे पुत्र, आज मैं ने तेरा सम्मान किया है।
इसलिए आओ हम मसीह की उस आरंभिक शिक्षा पर ध्यान देना बंद करें।
आओ हम अन्य उत्तम और आदर्शपूर्ण बातों में आगे बढ़ जाएँ और अपनी समझ में परिपक्व होते जाएँ।
परमेश्वर ने हमें अपनी प्रतिज्ञा दी है और परमेश्वर के लिए यह असंभव है कि वह झूठ बोले।
बचाए जाने की यह निश्चित आशा हमारी आत्माओं का लंगर है, जो हमें स्वर्ग के पर्दे के पीछे परमेश्वर से जोड़ती है जहाँ मसीह हमारे महायाजक के रूप में हमारे लिए याचना करने के लिए पहले से ही गया है।

मलिकिसिदक शालेम शहर का राजा था और परमप्रधान परमेश्वर का याजक भी था।
अब्राहम ने युद्ध में अपनी सारी जीत का दसवां हिस्सा मलिकिसिदक के द्वारा परमेश्वर को दिया और मलिकिसिदक ने उसे आशीष दी।
परन्तु जब परमेश्वर एक नए प्रकार के याजक को भेजता है, तो उसकी व्यवस्था में बदलाव भी अवश्य है।
मसीह पुरानी अपेक्षाओं के अनुसार याजक नहीं बना, बल्कि उस जीवन से बहने वाली सामर्थ्य के आधार पर जो समाप्त नहीं हो सकता।
यीशु हमेशा के लिए जीवित है और हमेशा के लिए एक याजक बना रहेगा ताकि किसी और की आवश्यकता न हो और वह पूरी तरह से उन सभी को बचाने में सक्षम हो जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं।
वह ठीक उसी प्रकार का महायाजक है जिसकी हमें आवश्यकता है - वह पवित्र और निर्दोष है।
उसे प्रतिदिन पशु बलि के लहू की आवश्यकता नहीं होती - क्योंकि उसने सभी बलिदानों को एक बार और सभी के लिए समाप्त कर दिया, जब उसने स्वयं को क्रूस पर बलिदान कर दिया।

मसीह, हमारे महायाजक, स्वर्ग में मंदिर में मंत्री, प्रभु द्वारा निर्मित पूजा का सच्चा स्थान, मानव हाथों से नहीं।
क्योंकि पुरानी व्यवस्था के अनुसार, भेंट और बलिदान चढ़ाए जाते थे, लेकिन ये उन लोगों के मनों को शुद्ध करने में विफल रहे जो उन्हें लेकर आते थे।
ये नियम तब तक बने रहे जब तक कि मसीह परमेश्वर के नए और उत्तम मार्ग के साथ नहीं आए।
वह जो बलिदान चढ़ाता है, वह सांसारिक याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों से कहीं अधिक उत्तम है।
यहाँ तक कि पुरानी व्यवस्था काम में नहीं आई। यदि ऐसा होता, तो इसे बदलने के लिए किसी और की जरूरत नहीं होती।
मसीह इस बेहतर व्यवस्था का महायाजक है जो अभी हमारे पास है।
वह परमपवित्र स्थान में गया, और अनुग्रह के सिंहासन पर अपना लहू छिड़का।
FATHER
HUSBAND
1879
1934
मनुष्यों के लिए एक बार मरना नियुक्त है, और उसके बाद परमेश्वर की ओर से न्याय का होना अवश्य है।
वह उन सभी का उद्धार करने के लिए फिर आएगा जो उत्सुकता और धैर्यपूर्वक उसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

यहूदी विधियों की पुरानी व्यवस्था उनके नियमों के अधीन रहने वालों को कभी नहीं बचा सकती थी।
प्रतिवर्ष के उनके बलिदान उनके पापों को याद दिलाते हैं, क्योंकि यह असंभव है कि बैलों और बकरों का लहू वास्तव में पापों को दूर कर सके।
इसलिए मसीह ने कहा, "हे परमेश्वर, बैलों और बकरों का लहू तुझे प्रसन्न नहीं कर सकते, इसलिए तूने मेरी इस देह को मेरे लिए अपनी वेदी पर बलि के लिए तैयार किया है।
मैं तेरी इच्छा पूरी करने, और अपना प्राण देने आया हूँ, जैसा पवित्र शास्त्र में कहा है, कि मैं करूंगा।"
उसने हमारे लिए जो कुछ किया है, उसके जवाब में, आइए हम एक-दूसरे की मदद करने और एक-दूसरे के प्रति दयालु होने और भलाई करने में एक-दूसरे से आगे बढ़ चलें।
चर्च की सभाओं को तुच्छ न जानें, बल्कि प्रतिदिन एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें। ,
यदि कोई क्षमा के सत्य को जानने के बाद जान-बूझकर उद्धारकर्ता का इनकार करके पाप करता है, तो यह पाप मसीह की मृत्यु से ढका नहीं है।
परमेश्वर के भयानक क्रोध के भयानक दण्ड के अलावा और कुछ नहीं होगा, जो उसके सभी शत्रुओं को भस्म करेगा।

इब्रानियों १०

विश्वास एक संदेह रहित आश्वासन है कि हम जो चाहते हैं वह होने जा रहा है और निश्चय कि हम जिस वस्तु की आशा करते हैं वह हमारी प्रतीक्षा कर रही है - भले ही हम उसे देख न सकते।
प्राचीन काल में परमेश्वर के लोग अपने विश्वास के लिए जाने जाते थे।
यह विश्वास ही के कारण था कि हाबिल ने परमेश्वर की आज्ञा मानी और कैन की भेंट से अधिक परमेश्वर को प्रसन्न करने वाली भेंट चढ़ाई।
हनोक ने परमेश्वर पर विश्वास किया और बिना मरे ही स्वर्ग पर उठा लिया गया।
नूह ने परमेश्वर की चेतावनी सुनी और बाढ़ के किसी भी संकेत से पहले एक जहाज बनाया।
अब्राहम ने भरोसा किया जब परमेश्वर ने उसे घर छोड़ने और दूसरे देश में जाने के लिए कहा।
सारा को विश्वास था और बूढ़ी होने के बावजूद भी वह माँ बनी।

विश्वास ही से याकूब ने जब बूढ़ा होकर मर रहा था, तब यूसुफ के दोनों पुत्रों में से एक एक को आशीष दी।
मूसा के माता-पिता ने विश्वास किया और उसे फिरौन की आज्ञाओं के विरुद्ध छिपा रखा।
मूसा ने राज-घराने की तरह व्यवहार करने से इनकार कर दिया, लेकिन पाप के बजाय परमेश्वर के लोगों के साथ दुःख भोगना चुना।
और अन्यों ने परमेश्वर पर भरोसा किया और युद्ध जीते, राज्यों को उखाड़ फेंका, अच्छी तरह से शासन किया और वह प्राप्त किया जो परमेश्वर ने उनसे वादा किया था।
कुछ को कोड़े मारे गए, कुछ को काल कोठरी में फेंक दिया गया, कुछ पत्थरवाह करके मार दिए गए और यहाँ तक कि दो टुकड़ों में काट दिए गए लेकिन उन्होंने कभी भी अपने विश्वास को नहीं छोड़ा।
इब्रानियों ११

क्योंकि विश्वासयोग्य लोगों की यह भीड़ हमें देख रही है, आओ हम उन सभी वस्तुओं को उतार दें जो हमें रोकतीं हैं, विशेष रूप से वे पाप जो हमें उलझाते हैं; और हम उस दौड़ में दौड़ें जिसे परमेश्वर ने हमारे आगे रखा है।
अपनी निगाहें हमारे यीशु पर रखें को हमारे अगुवे और उपदेशक।
वह क्रूस पर एक शर्मनाक मौत मरने के लिए तैयार था क्योंकि वह जानता था की इसके बाद आनन्द होगा - और अब वह सम्मान के स्थान पर परमेश्वर के सिंहासन के दाहिनी ओर बैठता है।
हमारे सांसारिक पिता अपनी समझ के अनुसार, हमें अच्छी तरह से अनुशासित करते हैं, लेकिन परमेश्वर की ताड़ना हमेशा ठीक और हमारे भले के लिए होती है, ताकि हम उसकी पवित्रता में साझी हों।
इसका परिणाम अनुग्रह और चरित्र में हमारी उन्नति है।
सावधान रहो कि कोई भी व्यभिचार में शामिल न हो या एसाव की तरह लापरवाह न हो जिसने कुछ ही भोजन के लिए सबसे बड़े बेटे के रूप में अपने अधिकारों को बेच दिया।
हालाँकि एसाव ने उन खोए हुए अधिकारों को वापस पाने की गुहार लगाई, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।
DANCERS
और अब शान्ति का परमेश्वर, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया है, तुम्हें उस सब से सुसज्जित करे जो तुम्हें उसकी इच्छा पूरी करने के लिए चाहिए।
उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन।

याकूब की पत्री ४४-४९ ईस्वी. के आस-पास लिखी गई थी, जो इसे नए नियम के सिद्धांत में सबसे प्रारंभिक पुस्तक बनाता है।
लेखक याकूब है - यीशु का सौतेला भाई और यहूदा का भाई।
उन्हें धर्मी याकूब भी कहा जाता था क्योंकि उन्हें धर्मी जीवन जीने और मसीह के अनुयायियों के लिए आज्ञाकारिता में चलने का जुनून था।
याकूब की पत्री यहूदी विश्वासियों के लिए निर्देशित की गई थी, जो संभवतःहेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम् के उत्पीड़न से तितर-बितर हो गए थे।
बहुत से राष्ट्रों के बीच बिखरे हुए बारह गोत्रों के लिए।
जब भी तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसे पूरा आनन्द समझो - क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है।
क्योंकि जब तुम्हारा धीरज पूर्ण रूप से विकसित हो जाएगा, तब तुम हर काम के लिए तैयार रहोगे, तथा चरित्र में मज़बूत, परिपूर्ण और सिद्ध हो जाओगे।
याकूब १:१-४

यदि तुम जानना चाहते हो कि परमेश्वर तुमसे क्या चाहता है, तो उससे माँगो, तो वह तुम्हें आनन्द से दे देगा, क्योंकि वह उन सब को बुद्धि देता है जो उस से माँगते हैं।
लेकिन विश्वास के साथ माँगो क्योंकि संदेह से भरा मन हवा से उछलती हुई समुद्र की लहर के समान अस्थिर होता है।
एक मसीही भाई को नम्रता की दशा में प्रसन्न होना चाहिए - क्योंकि वह प्रभु की दृष्टि में बड़ा है।
लेकिन धनवान को अपनी नीची दशा पर, क्योंकि वह शीघ्र ही उस फूल के समान जाता रहेगा, जो कड़ी धूप में मर जाता है।
धन्य है वह मनुष्य जो परीक्षा में पड़ने पर हार नहीं मानता, इस कारण वह अपना प्रतिफल प्राप्त करेगा।
जब किसी की परीक्षा होती है तो वह कभी परमेश्वर नहीं होता जो उसकी परीक्षा करता है - क्योंकि परमेश्वर कभी किसी की परीक्षा नहीं लेता है।
POT
सुनने में तेज, बोलने में धीमा और क्रोध करने में धीमा होना सबसे अच्छा है क्योंकि मनुष्य का क्रोध उस धार्मिक जीवन को नहीं लाता है जो परमेश्वर चाहता है।
तुम एक नादान हो!
जो कोई खुद को मसीही कहता है परन्तु अपनी जीभ को नियंत्रित नहीं करता है वह सिर्फ खुद को धोखा दे रहा है, और उसकी भक्ति बेकार है।
परमेश्वर उस धर्म को स्वीकार करता है, जो अनाथों और विधवाओं की देखभाल करता है, और स्वयं को संसार से अपवित्र रखता है।
याकूब १:५-२१

यदि तुम अमीर लोगों के प्रति पक्षपात करते हो और कंगाल लोगों को नीचा देखते हो तो तुम कैसे दावा कर सकते हो कि तुम प्रभु यीशु मसीह के हो?
यह पाप है जब तुम अमीरों का पक्ष लेते हो और उनकी चापलूसी करते हो।
परमेश्वर ने कंगालों को विश्वास में धनी होने के लिए चुना है।
क्या तुमने महसूस नहीं किया कि आमतौर पर अमीर ही तुमको अदालत में घसीटते हैं और अक्सर वही होते हैं जो यीशु मसीह पर हँसते हैं?
अगर तुम दूसरों की मदद करके इसे साबित नहीं कर रहे हो तो यह कहने का क्या फायदा कि तुम विश्वास करते हो? क्या इस तरह का विश्वास कभी किसी का उद्धार करा सकता है?
वह विश्वास जो भले कामों के द्वारा प्रकट नहीं होता, वह बिल्कुल भी विश्वास नहीं है;यह मरा हुआ और व्यर्थ है।
क्या अब भी तुममें से कुछ लोग ऐसे हैं जो मानते हैं कि "सिर्फ विश्वास करना" ही काफी है?
तुम एक परमेश्वर में विश्वास करते हो? ठीक करते हो, तो दुष्टात्मा भी करती हैं - और वो कांपती हैं!
राहाब, वेश्या, बच गई क्योंकि उसने उन दूतों को छिपाकर दूसरे मार्ग से सुरक्षित विदा किया।
जिस प्रकार आत्मा के न होने पर शरीर मरा हुआ है, उसी प्रकार विश्वास भी मरा हुआ है यदि यह उस प्रकार नहीं है जो अच्छे कर्मों का प्रतिफल है।
याकूब २

दूसरों पर बहुत जल्दी दोष न लगाओ, क्योंकि हम सब भी बहुत बार गलतियाँ करते हैं।
यदि कोई अपनी जुबान पर लगाम लगा सकता है, तो वह यह साबित करता है कि वह हर पूरी तरह से अपने ऊपर नियंत्रण कर सकता है।
हम एक बड़े घोड़े के मुँह में लगाम लगाकर घुमा सकते हैं और एक छोटी पतवार के द्वारा जिधर भी नाविक चाहता है, एक बड़ा जहाज मोड़ देता है।
वैसे ही जीभ भी एक छोटी सी चीज है, लेकिन यह कितना बड़ा नुकसान कर सकती है।
मनुष्य ने हर तरह के जानवर या पक्षी को प्रशिक्षित करके वश में कर लिया है, लेकिन कोई भी इंसान जीभ को वश में नहीं कर सकता।
और एक ही मुँह से आशीष और श्राप दोनों निकलते हैं, सच में यह ठीक नहीं है!
यदि तुम ज्ञानवान हो? जो ऐसा हो वह अपने कामों को अच्छे चालचलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे और अच्छाई का जीवन जिए।
ईर्ष्या और स्वार्थ इस तरह का ज्ञान परमेश्वर की ओर से नहीं है। ऐसी चीजें सांसारिक, शारीरिक, और शैतानी है।
याकूब ३
लेकिन जो ज्ञान स्वर्ग से आता है वह सबसे पहले शुद्ध और नम्रता से भरा होता है। तब यह शांतिप्रिय और विनम्र होता है। यह दया और कपटरहित होता है।

दूसरों पर बहुत जल्दी दोष न लगाओ, क्योंकि हम सब भी बहुत बार गलतियाँ करते हैं।
75%
CLEARANCE
यदि कोई अपनी ज़ुबान पर लगाम लगा सकता है, तो वह यह साबित करता है कि वह हर पूरी तरह से अपने ऊपर नियंत्रण कर सकता है।
हम एक बड़े घोड़े के मुँह में लगाम लगाकर घुमा सकते हैं और एक छोटी पतवार के द्वारा जिधर भी नाविक चाहता है, एक बड़ा जहाज मोड़ देता है।
SMITH
वैसे ही जीभ भी एक छोटी सी चीज है, लेकिन यह कितना बड़ा नुकसान कर सकती है।
मनुष्य ने हर तरह के जानवर या पक्षी को प्रशिक्षित करके वश में कर लिया है, लेकिन कोई भी इंसान जीभ को वश में नहीं कर
और एक ही मुँह से आशीष और श्राप दोनों निकलते हैं, सच में यह ठीक नहीं है।
यदि तुम ज्ञानवान हो? जो ऐसा हो वह अपने कामों को अच्छे चालचलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे और अच्छाई का जीवन जिए।
लेकिन जो ज्ञान स्वर्ग से आता है वह सबसे पहले शुद्ध और नम्रता से भरा होता है। तब यह शांतिप्रिय और विनम्र होता है। यह दया और कपटरहित होता है।

याकूब ३

हे धनवानों इधर देखो - अब तुम सामने आनेवाली सभी भयानक परेशानियों के कारण रोओ और कराहो।
तुमने अपनी हर इच्छा को पूरा करने में अपना समय बिताया है, और अब तुम्हारे मोटे हृदय वध के लिए तैयार हैं।
प्रिय भाइयो, न तो स्वर्ग की, न पृथ्वी की, और न किसी और की शपथ खाओ; बस एक साधारण सा हाँ या न कहो ताकि तुम पाप न करो और इसके लिए तुमको दोषी ठहराया जाए।
क्या तुममें से कोई दुःखी है तो उसे प्रार्थना करनी चाहिए।
जो धन्यवादी है उसे प्रभु की स्तुति के गीत गाने चाहिए।
यदि कोई बीमार है - वह कलीसिया के प्राचीनों को उस पर तेल मलने और उसके लिए प्रार्थना करने के लिए बुलाए, और परमेश्वर उसे चंगा करेगा।
एक दूसरे के सामने अपने पापों को स्वीकार करो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो ताकि तुम चंगे हो जाओ।
एक धर्मी व्यक्ति की प्रार्थना में बड़ी सामर्थ्य और अद्भुत परिणाम होता है।
यदि कोई परमेश्वर से दूर हो गया है और कोई उसे फिर से सत्य को समझने में मदद करता है - तो वह अपने कई पापों की क्षमा लाकर एक भटकी हुई आत्मा को मृत्यु से बचा लेता है।
HOLY BIBLE

७ पतरस
६४ ईस्वी. में रोम शहर एक बड़ी आग में जल गया - बहुत से रोम के लोगों का मानना था कि इसे नीरो ने अपनी लालसा को पूरी करने के लिए उकसाया था।
कई रोमी लोग मारे गए थे और कई बेघर थे।
नीरो ने अपने लोगों के क्रोध को पुनर्निर्देशित करने के लिए देखा...
इस बात की खबर फैलाओ कि मसीहियों ने ऐसा किया है - आखिरकार, वे तो सिखाते ही हैं कि दुनिया आग से खत्म हो जाएगी।
इस प्रकार मसीह-अनुयायियों के विरुद्ध सताव की २०० साल की अवधि शुरू हुई।
प्रेरित पतरस ने यह पत्री तितर-बितर हुए मसीहियों को यह बताने के लिए भेजी कि कैसे मसीह-अनुयायियों को बैरभाव से निपटना है और दुनिया में रहना है।
पुन्तुस, गलातिया, कप्पदुकिया, आसिया माइनर और बिथुनिया में बिखरे हुए लोगों के लिए - पिता परमेश्वर ने तुमको बहुत पहले चुना था और जानते थे कि तुम उनके बच्चे बनोगे।
ये परीक्षाएँ सिर्फ तुम्हारे विश्वास को परखने के लिए हैं, यह देखने के लिए कि वह दृढ़ और शुद्ध है या नहीं।
जैसे आग सोने को परखती और शुद्ध करती है और वैसे ही तुम्हारा विश्वास परमेश्वर के लिए सोने से कहीं अधिक कीमती है।
उस पर भरोसा रखने का प्रतिफल तुम्हारी आत्माओं का उद्धार होगा।
यह उद्धार कुछ ऐसा था जिसे भविष्यद्वक्ता पूरी तरह से नहीं समझ पाए थे।

अपनी नफरत की भावनाओं से छुटकारा पाओ।
बेईमानी और ईर्ष्या और उनकी पीठ पीछे दूसरों के बारे में बात करनी बंद कर दो।
मसीह के पास आओ, जो नीव का जीवता पत्थर है जिस पर परमेश्वर बनाता है।
और अब तुम भी जीवित भवन-पत्थर बन गए हो जो परमेश्वर के उपयोग के लिए जिन्हें वह अपना घर बनाने में उपयोग कर रहा है।
तुम स्वयं परमेश्वर के द्वारा चुने गए हो। तुम राजा के याजक हो।
हालाँकि तुम्हारा असली घर स्वर्ग में है, मैं तुमसे इस दुनिया के सुखविलासों से दूर रहने की विनती करता हूँ जो तुम्हारी आत्मा के खिलाफ लड़ते हैं।
यह परमेश्वर की इच्छा है कि तुम्हारा अच्छा चाल-चलन उन लोगों को चुप करा दे जो मूर्खतापूर्ण तरीके से सुसमाचार की निंदा करते हैं
सभी के प्रति सम्मान दिखाओ। परमेश्वर से डरो और सरकार का आदर करो।
यह दुःख उस कार्य का हिस्सा है जो परमेश्वर ने तुमको दिया है। मसीह, जिसने तुम्हारे लिए दुःख उठाया, वह तुम्हारे लिए आदर्श है।
वह हमारे पापों को अपने शरीर में लेकर क्रूस पर चढ़ गया ताकि हम पाप के लिए मर जाएं - क्योंकि उसके घावों के द्वारा हमारे घाव चंगे हुए!

पत्नियों, अपने पतियों के अधीन रहो ताकि यदि वे विश्वास न करते हों तो उन्हें उनकी पत्नियों के व्यवहार के द्वारा बिना वचन के जीता जा सकता है।
गहनों, कपड़ों और बालों की बाहरी सुंदरता के विषय में चिंता न करो, बल्कि अंदर से सुंदर बनो नम्र और शांत आत्मा के साथ।
पतियों, अपनी पत्नियों की जरूरतों के प्रति विचारशील रहो और उन्हें कमजोर पात्र और अनन्त जीवन के वारिस के रूप में सम्मान दो - ताकि कुछ भी तुम्हारी प्रार्थना में बाधा न बने।
यदि तुम एक सुखी, अच्छा जीवन चाहते हो, तो अपनी जीभ पर नियंत्रण रखो और अपने होठों को झूठ बोलने से बचाए रखो।
बुराई से दूर हो जाओ और भलाई करो।

हालाँकि मसीह ने दुःख उठाया और कष्ट सहा, तो तुम्हारी भी वैसी ही मनसा होनी चाहिए जैसा उसने किया था तुमको भी दुःख उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए।
तुमने अतीत में लुचपन की बुरी अभिलाषाओं, वासना, पियक्कड़पन, मूर्तिपूजा और अन्य पापों के लिए बहुत समय गँवाया है।
तुम्हारे पुराने मित्र बहुत आश्चर्यचकित होंगे जब तुम उनके साथ अब और दिलचस्पी से नहीं जुड़ोगे, लेकिन उन्हें एक दिन उसका सामना करना होगा जो जीवितों और मृतकों का न्याय करता है।
दुनिया का अंत जल्द ही होनेवाला है इसलिए प्रार्थना के लिए संयमी, और सचेत बनो।
आनन्दित होना यदि तुम एक मसीही होने के कारण घृणायोग्य और अपमानित किए जाओ, क्योंकि परमेश्वर की आत्मा महान महिमा के साथ तुम पर छाया करता है।
यदि तुम परमेश्वर की इच्छा के अनुसार कष्ट उठा रहे हो, तो वही करते रहो जो सही है और अपना भरोसा उस परमेश्वर पर रखो जिसने तुमको बनाया है।
प्रिय मित्रों, जब तुम अग्नि रुपी परीक्षाओं से गुजरो तो आश्चर्य न करना, क्योंकि यह कोई अनोखी बात नहीं है।
इसके बजाय, आनन्दित होना क्योंकि तुम मसीह के दुःखों में उसके सहभागी हो।

और तुम जो कलीसिया के प्राचीन हो - मैं भी एक प्राचीन हूँ - और मैंने मसीह को क्रूस पर मरते हुए देखा।
परमेश्वर के झुण्ड को स्वेच्छा से खिलाओ और उसकी रखवाली करो और दबाव के साथ नहीं - इस लिए नहीं कि तुम्हें इससे क्या मिलेगा बल्कि इसलिए कि तुम प्रभु की सेवा करने के लिए उत्सुक हो।
हे जवानो, उन लोगों की अगुवाई का अनुसरण करो जो प्राचीन हैं और नम्र आत्मा के साथ सेवा करते हैं।
खुद को परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ के नीचे दीनता से रखो और उचित समय में वह तुम्हें ऊपर उठाएगा।
अपने शत्रु शैतान के हमलों से सावधान रहें - वह एक दहाड़ते हुए शेर की तरह घूमता है, इस तलाश में कि अपने शिकार को फाड़ खाए।
तुम्हारे थोड़ी देर तक दुःख सहने के बाद, परमेश्वर तुम्हें अपनी अनन्त महिमा प्रदान करेगा।
वह तुम्हें उठाकर स्थिर करेगा, और तुम्हें पहले से अधिक सामर्थी बनाएगा।
यहाँ से रोम की कलीसिया तुम्हें नमस्कार भेजती है।

७७ पतरस
बंदीगृह में रहते हुए, नीरो के हाथों अपनी मृत्यु से कुछ समय पहले, पतरस ने एक दूसरी पत्री भेजी।
वह झूठे शिक्षकों - उनकी विधर्मी रीतियों और उनकी चरित्रहीन जीवन शैली के बारे में चिंतित था।
प्रिय भाइयों, यह साबित करने के लिए कठिन परिश्रम करो कि तुम वास्तव में उन लोगों में से हो जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया और चुना है, और फिर तुम कभी भी न ठोकर खाओगे न गिरोगे।
Dear Brothers,
Work hard to prove that you really
लेकिन प्रभु यीशु मसीह ने मुझे दिखाया है कि यहाँ पृथ्वी पर मेरे दिन गिने गए हैं और मैं जल्द ही कूच करनेवाला हूँ।
जब तक मैं यहाँ हूँ, मैं इन स्मरण पत्रों को भेजना जारी रखना चाहता हूँ ताकि मेरे जाने के बाद तुम उन्हें लंबे समय तक याद रख सको।
क्योंकि जब हमने अपने प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ्य और उसके फिर से आने के विषय में तुम्हें बताया तो हम तुम्हें स्वर्गदूतों की कहानियाँ नहीं बता रहे थे।
मेरी आँखों ने उसका तेज और उसकी महिमा को देखा है।

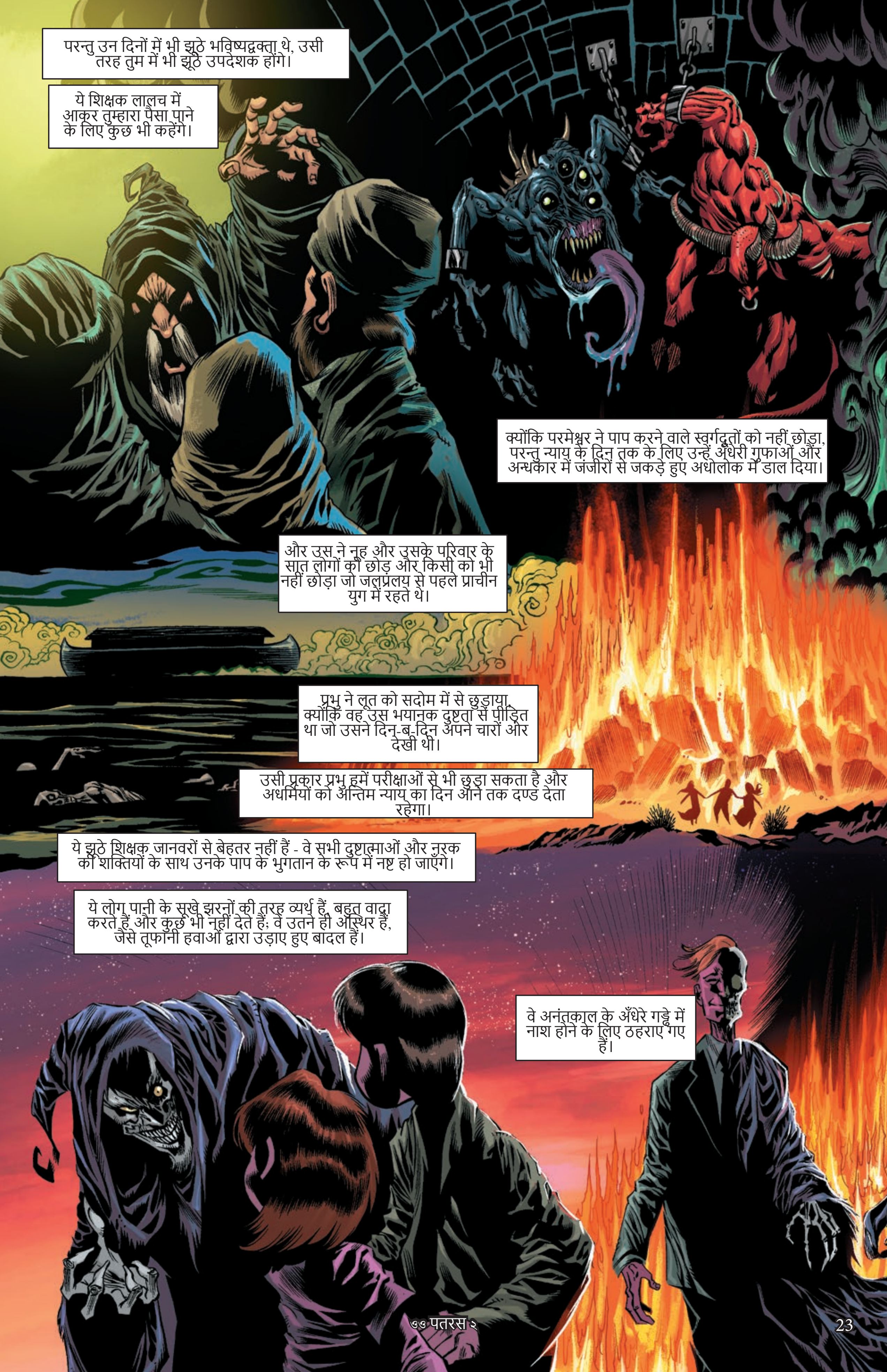
परन्तु उन दिनों में भी झूठे भविष्यद्वक्ता थे, उसी तरह तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे।
ये शिक्षक लालच में आकर तुम्हारा पैसा पाने के लिए कुछ भी कहेंगे।
क्योंकि परमेश्वर ने पाप करने वाले स्वर्गदूतों को नहीं छोड़ा, परन्तु न्याय के दिन तक के लिए उन्हें अँधेरी गुफाओं और अन्धकार में जंजीरों से जकड़े हुए अधोलोक में डाल दिया।
और उस ने नूह और उसके परिवार के सात लोगों को छोड़ और किसी को भी नहीं छोड़ा जो जलप्रलय से पहले प्राचीन युग में रहते थे।
प्रभु ने लूत को सदोम में से छुड़ाया, क्योंकि वह उस भयानक दुष्टता से पीड़ित था जो उसने दिन-ब-दिन अपने चारों ओर देखी थी।
उसी प्रकार प्रभु हमें परीक्षाओं से भी छुड़ा सकता है और अधर्मियों को अन्तिम न्याय का दिन आने तक दण्ड देता रहेगा।
ये झूठे शिक्षक जानवरों से बेहतर नहीं हैं - वे सभी दुष्टात्माओं और नरक की शक्तियों के साथ उनके पाप के भुगतान के रूप में नष्ट हो जाएँगे।
ये लोग पानी के सूखे झरनों की तरह व्यर्थ हैं, बहुत वादा करते हैं और कुछ भी नहीं देते हैं; वे उतने ही अस्थिर हैं, जैसे तूफानी हवाओं द्वारा उड़ाए हुए बादल हैं।
वे अनंतकाल के अँधेरे गड्ढे में नाश होने के लिए ठहराए गए हैं।

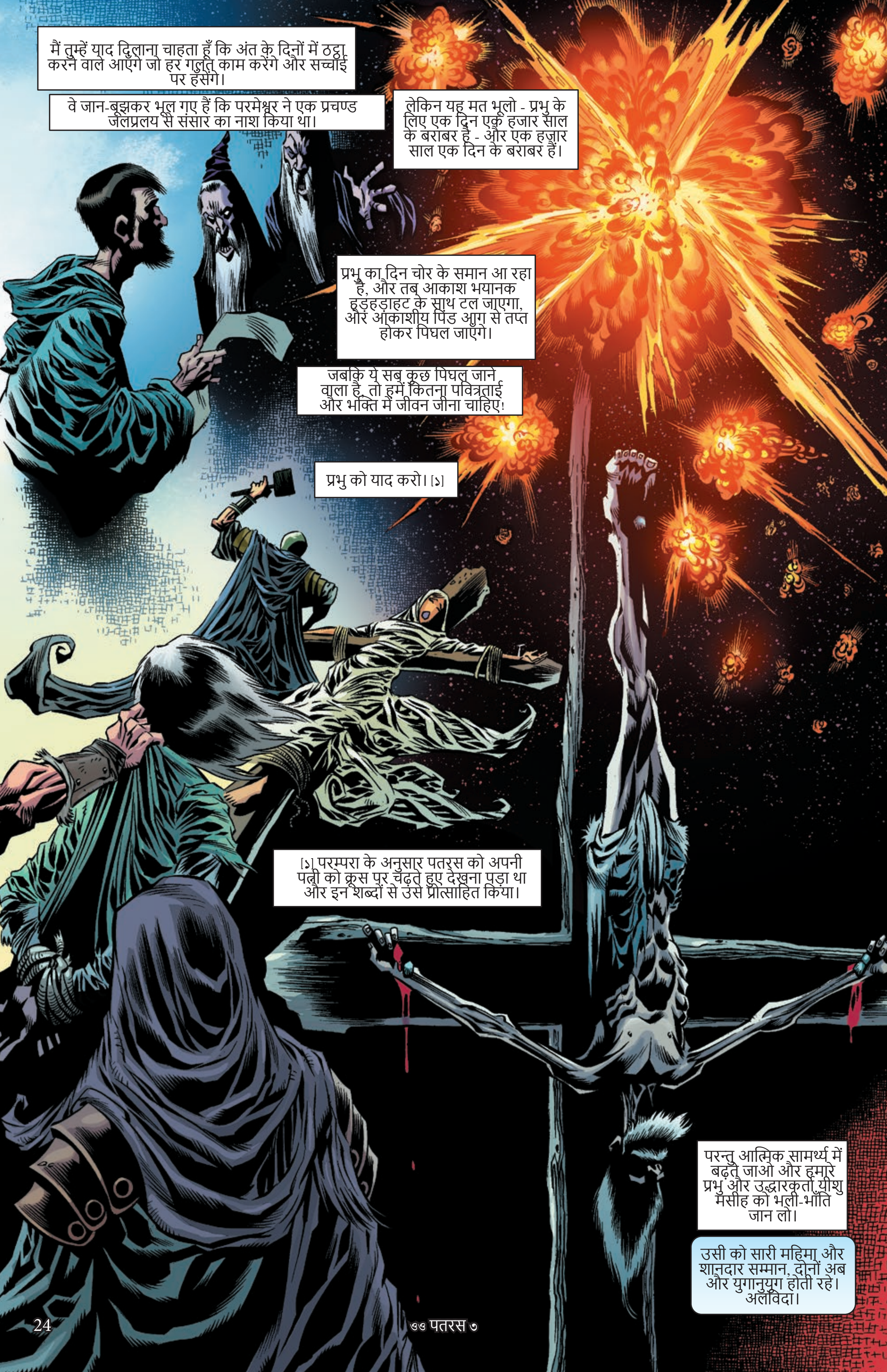
मैं तुम्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि अंत के दिनों में ठट्ठा करने वाले आएँगे जो हर गलत काम करेंगे और सच्चाई पर हँसेंगे।
वे जान-बूझकर भूल गए हैं कि परमेश्वर ने एक प्रचण्ड जलप्रलय से संसार का नाश किया था।
लेकिन यह मत भूलो - प्रभु के लिए एक दिन एक हजार साल के बराबर है - और एक हजार साल एक दिन के बराबर है।
प्रभु का दिन चोर के समान आ रहा है, और तब आकाश भयानक हड़हड़ाहट के साथ टल जाएगा, और आकाशीय पिंड आग से तप्त होकर पिघल जाएँगे।
जबकि ये सब कुछ पिघल जाने वाला है, तो हमें कितना पवित्रताई और भक्ति में जीवन जीना चाहिए!
प्रभु को याद करो। [১]
[১] परम्परा के अनुसार पतरस को अपनी पत्नी को क्रूस पर चढ़ते हुए देखना पड़ा था और इन शब्दों से उसे प्रोत्साहित किया।
परन्तु आत्मिक सामर्थ्य में बढ़ते जाओ और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह को भली-भाँति जान लो।
उसी को सारी महिमा और शानदार सम्मान, दोनों अब और युगानुयुग होती रहें। अलविदा।

यूहन्ना यीशु मसीह का अंतिम जीवित प्रेरित था और जिसने रोम के सम्राट উড়সরঃরধহ के उत्पीड़न से ठीक पहले, यह पत्री ९०-९५ ईस्वी के बीच लिखी थी।
प्रेरित ने एशिया माइनर की कलीसियाओं को लिखा और नास्तिकवाद के आरंभिक चरणों को संबोधित किया। [১]
[১] नास्तिकवाद ने सिखाया कि यीशु ने देहधारण नहीं किया था, बल्कि केवल एक शारीरिक रूप में प्रकट हुआ था।
उन्होंने सिखाया कि शरीर केवल दुष्ट है ताकि कोई भी पाप कर सके और आत्मा को प्रभावित न कर सके। जब से दुनिया शुरू हुई तभी से मसीह जीवित था इसके अतिरिक्त मैंने अपनी आँखों से उसे देखा और सुना है। मैंने उसे अपने हाथों से छुआ है। वह परमेश्वर का जीवित वचन है।
और यह वचन परमेश्वर ने हमें दिया है, परमेश्वर ज्योति है और उसमें कोई अंधकार नहीं है।
यदि हम कहते हैं कि हम उसके मित्र हैं परन्तु पाप में जीते हैं, तो हम झूठ बोल रहे हैं।

मैं तुमसे यह इसलिए कह रहा हूँ कि तुम पाप से दूर रहो।
परन्तु यदि कोई पाप करे, तो पिता के सामने तुम्हारा पक्ष रखने वाला कोई है - उसका नाम यीशु मसीह है।
कोई कह सकता है कि, “मैं एक मसीही हूँ” लेकिन जो मसीह उससे कहता है, वह नहीं करता तो वह झूठा है।
यह जानने का तरीका है कि तुम मसीही हो या नहीं।
INRI
मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिख रहा हूँ क्योंकि यीशु के नाम में तुम्हारे पाप क्षमा किए गए हैं।
मैं ये बातें तुम प्राचीनों से इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि तुम सच में मसीह को जानते हो... और तुम नौजवानों ने शैतान से अपनी लड़ाई जीत ली है।
इस संसार का अन्तिम समय आ गया है, मसीह विरोधी आ रहा है — और ऐसे ही बहुत से व्यक्ति पहले ही प्रकट हो चुके हैं।
इससे हम सभी को और अधिक अच्छे से पता चलता है कि अन्त निकट है।
देखो हमारा स्वर्गीय पिता हमसे कितना प्रेम करता है, क्योंकि वह हमें अपने बच्चे कहलाने की अनुमति देता है — और हम वास्तव में हैं!
लेकिन हम यह जानते हैं कि जब वह आएगा तो हम उसके समान होंगे।
१ यूहन्ना २-३:२

यदि तुम लगातार भलाई कर रहे हो, तो इसका कारण यह है कि तुम यीशु की तरह अच्छे हो।
लेकिन अगर तुम पाप करते हो, तो यह दर्शाता है कि तुम शैतान के हो, जो शुरू से ही पाप करता आया है।
यदि हम अन्य मसीहियों से प्रेम करते हैं, तो यह साबित होता है कि हमें अनन्त जीवन दिया गया है।
लेकिन जो व्यक्ति दूसरों के लिए प्रेम नहीं रखता वह अनन्त मृत्यु की ओर जाता है।
यदि हमारा विवेक शुद्ध है, तो हम आश्वासन के साथ प्रभु के पास आ सकते हैं और हम जो मांगें वह प्राप्त भी कर सकते हैं क्योंकि हम उसकी आज्ञा मानते हैं और वही करते हैं जो उसे प्रसन्न करता है।
हर बात पर सिर्फ इसलिए विश्वास न करो क्योंकि कोई कहता है कि यह परमेश्वर का संदेश है - पहले उसको परखो।
क्या यह सच में मानने योग्य है कि यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र, वास्तव में मानव शरीर में होकर प्रकट हुआ?
हमें डरने की ज़रूरत नहीं है - यीशु हमसे पूरी तरह से प्यार करता है और इस डर को दूर करता है कि वह हमारे साथ क्या कर सकता है - ऐसा इसलिए है क्योंकि उसने पहले हमसे प्यार किया।
यदि कोई कहता है कि “मैं परमेश्वर से प्यार करता हूं,” लेकिन अपने भाई से नफरत करता रहता है, तो वह झूठा है।
यदि तू अपने भाई को जो तेरे सामने है प्रेम नहीं करता है तो तू परमेश्वर से कैसे प्रेम कर सकता है?
१ यूहन्ना ३:७-४:२०

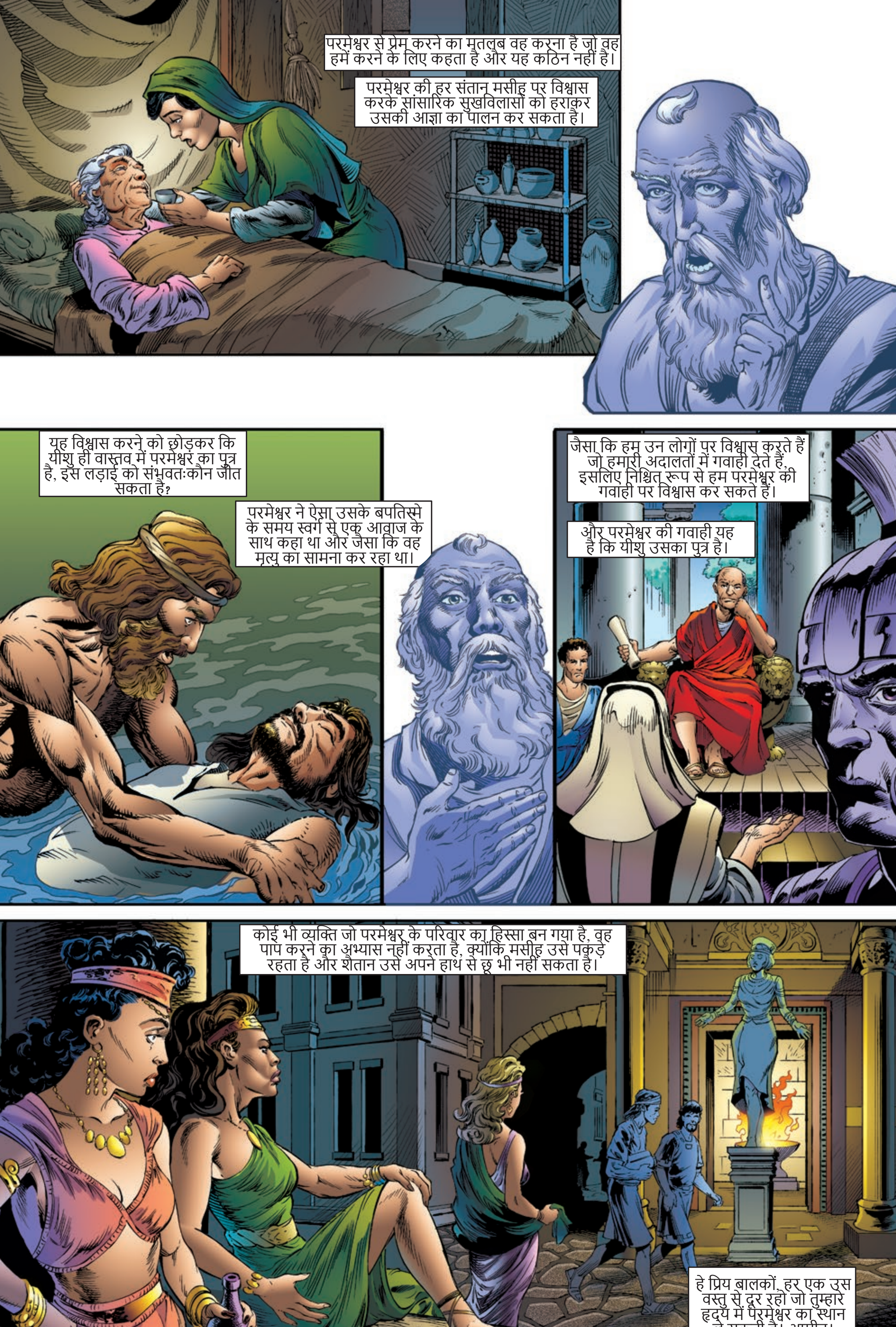
परमेश्वर से प्रेम करने का मतलब वह करना है जो वह हमें करने के लिए कहता है और यह कठिन नहीं है।
परमेश्वर की हर संतान मसीह पर विश्वास करके सांसारिक सुखविलासों को हराकर उसकी आज्ञा का पालन कर सकता है।
यह विश्वास करने को छोड़कर कि यीशु ही वास्तव में परमेश्वर का पुत्र है, इस लड़ाई को संभवतःकौन जीत सकता है?
परमेश्वर ने ऐसा उसके बपतिस्मे के समय स्वर्ग से एक आवाज के साथ कहा था और जैसा कि वह मृत्यु का सामना कर रहा था।
जैसा कि हम उन लोगों पर विश्वास करते हैं जो हमारी अदालतों में गवाही देते हैं, इसलिए निश्चित रूप से हम परमेश्वर की गवाही पर विश्वास कर सकते हैं।
और परमेश्वर की गवाही यह है कि यीशु उसका पुत्र है।
कोई भी व्यक्ति जो परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बन गया है, वह पाप करने का अभ्यास नहीं करता है, क्योंकि मसीह उसे पकड़े रहता है और शैतान उसे अपने हाथ से छू भी नहीं सकता है।
हे प्रिय बालकों, हर एक उस वस्तु से दूर रहो जो तुम्हारे हृदय में परमेश्वर का स्थान ले सकती है। आमीन।

एकमात्र जीवित प्रेरित यूहन्ना की दूसरी पत्री, लगभग ९०-९५ ईस्वी में लिखी गई।
विषयवस्तु, मसीही अतिथि सत्कार की सीमाओं का वर्णन।
यीशु की देह ही सिर्फ वास्तविक लग रही थी, क्रूस पर चढ़ने से ठीक पहले उनकी आत्मा ने उन्हें छोड़ दिया था।
नास्तिकवाद [1] कलीसिया के भीतर उत्पन्न होने लगा था, जैसा कि पौलुस ने भविष्यद्वाणी की थी।
[1] मसीह की मानवता का इनकार करते हुए यह कहना कि बात बुरी है, और उनके पास उच्च सच्चाई है।
शुरुआती कलीसियाएँ घरों में मिलती थीं और झूठे शिक्षक सीधे-साधे मसीहों का फायदा उठा रहे थे - झूठे सुसमाचार के साथ उनके घरों में आ रहे थे।
हालाँकि सच्चाई हमारे दिलों में हमेशा के लिए है, परमेश्वर पिता और उसका पुत्र यीशु मसीह हमें बड़ी दया और बड़ी शान्ति, और सच्चाई और प्रेम के साथ आशीष देंगे।
मैं तुम्हारे कुछ बच्चों को यहाँ पाकर और यह देख कर बहुत खुश हूँ कि वे वैसे ही रह रहे हैं जैसे उन्हें चाहिए - सत्य का पालन करना और परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना।

मैं तुमको उस नियम की याद दिलाना चाहता हूँ जो परमेश्वर ने हमें दिया है मसीहियों को एक दूसरे से प्यार करना चाहिए।
यदि हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं, तो हम वही करेंगे जो वह हमसे कहता है और उसने हमें एक दूसरे से प्यार करने के लिए कहा है।
बहुत सारे झूठे अगुवों से सावधान रहो जो यह नहीं मानते कि यीशु हमारे जैसे शरीर के साथ एक इंसान के रूप में धरती पर आया।
ऐसे लोग सच्चाई के विरुद्ध हैं - और मसीह के भी विरुद्ध हैं।
यदि कोई तुम्हारे पास आए और जो मसीह ने सिखाया विश्वास न करे, तो उसे अपने घर में न आने दो और यदि तुम ऐसा करते हो तो उसकी दुष्टता में भागीदार होते हो। [१]
[१] सत्य हमेशा प्रेम के अभ्यास की ओर मार्गदर्शन करता है। सत्य प्रेम और एकता दोनों की सीमा निर्धारित करता है।
उनके समान होने से सावधान रहो - इस बात का ध्यान रखो ताकि तुम प्रभु से अपना पूरा-पूरा प्रतिफल प्राप्त कर सको।
सच में?
यदि तुम मसीह की शिक्षा से दूर चले जाते हो, तो तुम परमेश्वर को पीछे छोड़ देते हो।
जबकि यदि तुम मसीह की शिक्षाओं के प्रति वफादार हो तो तुम्हारे पास परमेश्वर भी होगा।
तब तुम्हारे पास पिता और पुत्र दोनों होंगे।
मैं और भी बहुत कुछ कहना चाहता हूँ, लेकिन इस पत्री में नहीं, क्योंकि मुझे आशा है कि मैं तुमसे जल्द ही मिलने आऊंगा।

यूहन्ना की तीसरी और सबसे व्यक्तिगत पत्री, गयुस नाम के एक व्यक्ति को सुसमाचार सुनानेवालों की मसीही अतिथि-सत्कार प्रदान करने के विषय में लिखी गई थी।
यूहन्ना की पिछली पत्री झूठे शिक्षकों को अतिथि-सत्कार न देने के विषय में थी - लेकिन इस पत्री में सुसमाचार के सच्चे सिखानेवालों के लिए अतिथि-सत्कार देने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।
विश्वासयोग्य दिमेत्रियुस, देख कृपा करके इसे गयुस के पास तक पहुँचा दे।
प्रिय गयुस, मैं प्रार्थना करता हूँ कि तेरा शरीर तेरी आत्मा की तरह चंगा रहे।
कुछ भाइयों ने मुझे यह बताकर बहुत प्रसन्न किया है कि वे सुसमाचार के नमूने के अनुसार चल रहे हैं।
मुझे अपने लड़के-बालों के बारे में ऐसी बातें सुनने से बड़ा आनन्द और कोई नहीं हो सकता था।
तुम यात्रा करने वाले शिक्षकों और मिशनरियों की देखभाल करके परमेश्वर का काम कर रहे हो - उन्होंने यहाँ कलीसिया को तुम्हारे प्रेम भरे कामों के बारे में बताया है।

क्योंकि वे न तो भोजन, न वस्त्र, न मकान और न ही अविश्वासियों से पैसे लेते हैं।
इसलिए हमें भी उनकी देखभाल करनी चाहिए ताकि हम प्रभु के कार्य में भागीदार बन सकें।
मैंने पहले एक संक्षिप्त पत्र भेजा था, लेकिन घमण्डी दियुत्रिफेस ने मेरी बात सुनने से इनकार कर दिया।
तो वह सोचता है कि यह उसकी कलीसिया है! हम उस लड़खड़ाते बूढ़े मूर्ख की नहीं सुनेंगे।
वह न केवल मिशनरियों का स्वागत करने से मना करता है, बल्कि जब दूसरे करते हैं, तो वह उन्हें कलीसिया से बाहर निकालने की कोशिश करता है।
इस बुरे उदाहरण को खुद पर हावी न होने दो - जो भला है उसका अनुसरण करो।
और तुम उस बूढ़े मूर्ख को उन धार्मिक भिखारियों को यहाँ से दूर रहने के लिए कह सकते हो - हमारे पास अपने शिक्षक हैं।
जो लोग भले काम करते हैं वे साबित करते हैं कि वे परमेश्वर के बच्चे हैं - और जो बुराई में बने रहते हैं वे साबित करते हैं कि वे परमेश्वर के नहीं हैं।
मैं तुमसे जल्द ही मिलने की आशा करता हूँ और हमारे पास बातचीत करने के लिए बहुत कुछ होगा।
यहाँ के मित्र तुम्हें नमस्कार करते हैं = कृपया कलीसिया को मेरी ओर से विशेष नमस्कार कह देना।

यहूदा यीशु मसीह का सौतेला भाई था।
जब यीशु जीवित था, उसने उसे मसीहा के रूप में नकार दिया था - लेकिन पुनरुत्थान के बाद वह मसीह का अनुयायी और प्रारंभिक कलीसिया में एक अगुवा बन गया।
उसने उद्धार के बारे में लिखने की योजना बनाई थी, लेकिन इसके बजाय उसने कलीसिया के सामने एक बड़ी समस्या के बारे में लिखा, भक्तिहीन शिक्षकों के विषय में।
...अब मुझे लगता है कि मुझे तुमको उस सच्चाई को दृढ़ता से बचाए रखने की प्रेरणा के लिए लिखना होगा जिसे परमेश्वर ने अपने लोगों को बिना किसी परिवर्तन के बचाए रखा।
भक्तिहीन शिक्षकों ने अपना रास्ता बिगाड़ लिया है - यह कहते हुए कि हम जो चाहें कर सकते हैं परमेश्वर की सजा के डर के बिना।
उनका अंत पहले से ही लिखा हुआ है - क्योंकि वे हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह के विरुद्ध हो गए हैं।

यह बात स्मरण रहे कि प्रभु ने सारी जाति को मिस्र देश से छुड़ाया, और उन में से जो उस पर विश्वास नहीं करते, और न उसकी आज्ञा मानते थे, उन में से हर एक को मार दिया।
और स्वर्गदूतों को जिन्होंने अपने निज निवास को छोड़ दिया, परमेश्वर ने अब अंधेरे कैदखानों में जंजीरों में जकड़, न्याय के दिन की प्रतीक्षा करने के लिए रखा है।
सदोम और अमोरा और उनके पड़ोसी नगरों को मत भूलो, जिन्होंने स्वयं को अनैतिकता और दुराचार के लिए दे दिया।
वे आग से नष्ट हो गए - और आज भी एक चेतावनी के रूप में ठहरे हैं।
यहूदा ५-१

ये झूठे शिक्षक अनैतिक जीवन जीते हैं।
वे अपने शरीर को अपवित्र करते हैं और ऊँचे पद वालों पर हँसते हैं - यहां तक कि स्वर्गदूतों का मजाक भी उड़ाते हैं।
फिर भी मीकाईल, सबसे शक्तिशाली स्वर्गदूतों में से एक, जब वह मूसा के शरीर के बारे में शैतान के साथ बहस कर रहा था, उस पर आरोप लगाने की हिम्मत नहीं की।
प्रभु तुझे डाँटे।
परन्तु ये लोग ठट्ठों में उड़ाते हैं और उन बातों पर अपशब्द बोलते हैं जिन्हें वे नहीं समझते हैं, और जानवरों की तरह, वे वही करते हैं जो उनका मन करता है, जिससे उनकी आत्माएँ नाश हो जाती हैं।
यहूदा ८-१०

उन पर हाय! क्योंकि वे उस कैन की सी चाल चलते हैं, जिसने अपने ही भाई को मार डाला।
बिलाम की तरह, वे पैसे के लिए कुछ भी करते हैं।
कोरह के समान उन्होंने भी परमेश्वर की आज्ञा न मानी और उसके श्राप के कारण मरेंगे।
ये लोग कलीसिया की प्रेम सभाओं में दोष हैं।
वे बिना फल वाले फलदार वृक्षों के समान हैं।
उनकी लज्जा और अपमान प्रचण्ड हिलकोरों द्वारा समुद्र तट पर छोड़े गए गंदे झाग की तरह है।
वे चमकते तारों की तरह भटकते हैं, परन्तु परमेश्वर ने उनके लिए अनन्तकाल की निराशा और अन्धकार तैयार किया है।

“हनोक, जो आदम के बाद सात पीढ़ियों तक जीवित रहा, इन लोगों के बारे में जानता था...”
देखो, प्रभु अपने लाखों पवित्र लोगों के साथ आ रहा है।
“वह संसार के लोगों को न्याय के समय अपने सामने लाएगा, कि न्याय का दण्ड पाएँ, और उन भयानक कामों को सिद्ध करे जो उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध में किए हैं।”
“ये लोग नित्य पिसते रहते हैं, और जो बुरा सोचते हैं वही करते हैं, और जो बड़े बड़े घमण्डी करते हैं।”
“यदि वे सम्मान प्रकट करें तो बदले में कुछ मिलेगा।”
लेकिन याद रखो कि हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरितों ने क्या कहा था - कि अंत के दिनों में ये ठट्ठा करने वाले प्रकट होंगे और हर तरह की बुरी अभिलाषाओं के अनुसार चलेंगे।
ये लोग तर्क-वितर्क करते हैं और बुराई से प्रेम करते हैं।
उनमें पवित्र आत्मा वास नहीं करता।

लेकिन तुम, हे मेरे प्रिय मित्रों अपने विश्वास में मजबूत बनो - और पवित्र आत्मा की सामर्थ्य में प्रार्थना करो।
यीशु मसीह द्वारा प्रदान किए गए अनन्त जीवन के लिए धीरज के साथ प्रतीक्षा करो - उन लोगों की सहायता करने का प्रयास करो जो उलझन में हैं और उन पर दया करो जो संदेह में हैं।
बहुतों को नर्क की लपटों से झपटकर बचा लो।
दूसरों ने उन पर दया करके मसीह को ढूँढ़ने में सहायता की है - उनके पापों से तो घृणा करो, लेकिन पापियों के रूप में उन पर दया करो।
सारी महिमा एकमात्र परमेश्वर को मिले।
वह तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है और तुम्हें अपनी महिमामय उपस्थिति में ले जा सकता है।
यहूदा २०-२५

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV